12 सरकस

- परिचयात्मक प्रश्न – आप अपना मनोरंजन किन साधनों द्वारा करते हैं?
  - क्या अपनी खुशी के लिए आप अन्य लोगों को परेशान करते हैं?
  - क्या अपनी खुशी के लिए अन्य लोगों को परेशान करना चाहिए?
- प्रतिबिंब – बालकों में सभी के प्रति समानता व प्रेमपूर्ण व्यवहार करने के भावों को जाग्रत करना।
- परिकल्पना – सरकस में पशुओं को उनकी प्रकृति से भिन्न कार्य करते देखकर आप क्या सोचते हैं?

होकर कौतूहल के बस में, गया एक दिन मैं सरकस में।
भय-विस्मय के काम अनोखे, देखे बहु व्यायाम अनोखे।

एक बड़ा-सा बंदर आया, उसने झटपट लैंप जलाया।
डट कुर्सी पर पुस्तक खोली, आ तब तक मैना यों बोली।

हाजिर है हुजूर का घोड़ा, चौंक उठाया उसने कोड़ा।
आया तब तक एक बछेरा, चढ़ बंदर ने उसको फेरा।

टट्टू ने भी किया सपाटा, रस्सी फाँद चक्कर काटा।
फिर बंदर कुर्सी पर बैठा, मुँह में चुरूट दबाकर ऐंठा।

माचिस लेकर उसे जलाया, और धुआँ भी खूब उड़ाया।
ले उसकी अधजली सलाई, तोते ने आ तोप चलाई।

एक मनुष्य अंत में आया, पकड़े हुए सिंह को लाया।
मनुज सिंह की देख लड़ाई, की मैंने इस भाँति बड़ाई।

कहीं साहसी जन डरता है? नर नाहर को वश करता है।
मेरा एक मित्र तब बोला, भाई तू भी है बस भोला।

यह सिंही का जना हुआ है, किंतु सियार बना हुआ है,
यह पिंजरे में बंद रहा है, नहीं कभी स्वच्छंद रहा है।

छोटे से यह पकड़ा आया, मार-मारकर गया सिखाया।
अपने को भी भूल गया है, आती इस पर मुझे दया है।

-मैथिलीशरण गुप्त

शब्दार्थ कौतूहल = आश्चर्ययुक्त जिज्ञासा। भय = डर। विस्मय = आश्चर्य। डट = बैठ गया। बछेरा = घोड़े का बच्चा। फेरा = चक्कर लगाया। चुरुट = तंबाकू के पत्ते, बीड़ी-सिगरेट। मनुज = मनुष्य। साहसी = बहादुर। जन = मनुष्य। नर = पुरुष। नाहर = शेर। जना हुआ = उत्पन्न किया हुआ। सियार = गीदड़। स्वच्छंद = स्वतंत्र

अभ्यास-कार्य

कविता से

■ बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए:

1. कवि ने सरकस में करतब देखे। वे थे-
   (अ) निराश करने वाले ☐ (ब) शिक्षा देने वाले ☐ (स) भय और विस्मय से पूर्ण ☑
2. सरकस में तोप चलाई-
   (अ) बंदर ने ☐ (ब) घोड़े ने ☐ (स) तोते ने ☑
3. मनुष्य के वश में होकर सिंह बना हुआ है-
   (अ) घोड़ा ☐ (ब) सियार ☑ (स) टट्टू ☐
4. झटपट आकर लैंप जलाया-
   (अ) बंदर ने ☑ (ब) तोते ने ☐ (स) मैना ने ☐
5. हाजिर है हुजूर का घोड़ा, कहा-
   (अ) तोते ने ☐ (ब) मैना ने ☐ (स) बंदर ने ☑

(ख) कविता की छूटी हुई पंक्तियाँ लिखिए:

1. होकर कौतूहल के बस में,

2. टट्टू ने भी किया सपाटा, रस्सी फाँद चक्कर काटा।

3. कहीं साहसी जन डरता है? नर नाहर को वश करता है।

(ग) रेखा खींचकर कविता की परस्पर संबद्ध पंक्तियों का सुमेल कीजिए:

1. एक बड़ा-सा बंदर आया,	(अ) की मैंने इस भाँति बड़ाई।
2. हाजिर है हुजूर का घोड़ा,	(ब) भाई तू भी है बस भोला।
3. ले उसकी अधजली सलाई,	(स) उसने झटपट लैंप जलाया।
4. मनुज सिंह की देख लड़ाई,	(द) चौंक उठाया उसने कोड़ा।
5. मेरा एक मित्र तब बोला,	(य) तोते ने आ तोप चलाई।

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए:

कौतूहल | चुरूट | स्वच्छंद | विस्मय | व्यायाम

■ इनके उत्तर लिखिए:

1. कवि किस प्रकार के विचार के वशीभूत होकर सरकस देखने गया?

कवि आश्चर्ययुक्त जिज्ञासा के विचार के वशीभूत होकर सरकस देखने गया।

2. बंदर ने सरकस में क्या-क्या करतब दिखाया? बंदर ने सरकस में करतब करने को नायक, घोड़े के बच्चे की सवारी, सिगरेट जलाने का अभिनय करने इत्यादि करतब दिखाये।

3. 'सिंह सियार बना हुआ है' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

सरकस का सिंह हमेशा पिंजरे में बंद रहता है जबकि जंगल का खुला रहता है। इस कारण सिंह सियार बना हुआ है।

4. 'सिंह अपने को भी भूल गया है' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

सिंह बचपन से सरकस में लाया गया था, वह वहीं रहकर सब कुछ सीखते हुये अपने परिवार को भी भूल गया है।

भाषा की बात

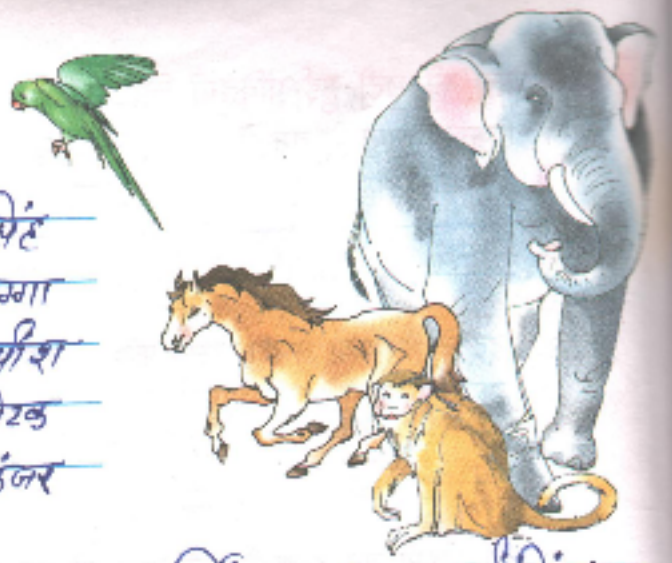

(क) इनके तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए:

1. शेर नाहर वनराज सिंह
2. तोता शुक सुआ सुग्गा
3. बंदर वानर कपि कपीश
4. घोड़ा अश्व तुरंग घोटक
5. हाथी गज मतंग कुंजर

(ख) लिंग बताइए:

1. मित्र पुल्लिंग 2. तोता पुल्लिंग 3. लैंप पुल्लिंग 4. माचिस स्त्रीलिंग
5. बंदर पुल्लिंग 6. मैना स्त्रीलिंग 7. कुर्सी स्त्रीलिंग 8. हुजूर पुल्लिंग

(ग) इनके अर्थ लिखिए:

1. नाहर शेर 2. मनुज मनुष्य
3. बछेरा घोड़े का बच्चा 4. विस्मय आश्चर्य

(घ) इनके स्त्रीलिंग लिखिए:

1. बंदर बंदरिया 2. शेर शेरनी 3. सियार सियारिन
4. घोड़ा घोड़ी 5. भालू मादा भालू 6. तोता मादा तोता

(ङ) रिक्त स्थानों में उपयुक्त विशेषण भरिए:

1. लंबा बाँस 2. विशाल वृक्ष 3. लंबी नदी 4. मीठे फल
5. विशाल पर्वत 6. हरी पत्तियाँ 7. छोटा बच्चा 8. बड़े लोग

(च) कविता में से कोई चार पंक्तियाँ चुनकर लिखिए व उनमें प्रयुक्त संज्ञापदों पर गोला खींचिए:

1. बंदर कुर्सी पर बैठा। संज्ञा = बंदर
2. तोते ने आकर तोप चलाई। संज्ञा = तोते
3. सिंह पिंजरे में बंद रहा है। संज्ञा = सिंह
4. आया तब एक बंदेरा। संज्ञा = बंदेरा

कुछ करने की बात

घोड़ा, बंदर, भालू, शेर, तोता, चिंपांजी इत्यादि।

(क) कुछ ऐसे पशुओं के नाम बताइए, जिन्हें तमाशा दिखाने में प्रयोग में लाया जाता है।

(ख) "तमाशा दिखाना पशुओं की प्रकृति के अनुकूल नहीं है।" बताइए आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?

(ग) नगर में विचरते आवारा पशुओं से क्या हानियाँ हैं? इस हेतु आपके क्या सुझाव हैं?